

Living the Lotus

9
2021

VOL. 192

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 192 (September 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

इच्छा को कैसे जाने दें

बौद्ध धर्म में विषुवीय उत्सव वह समय है जब अंतहीन दुःख संताप के 'इस किनारे' से दुःख संताप से मुक्त 'दूसरे किनारे' तक पहुँचने के लिए हमें अपने संकल्पों को नवीनीकृत करने का समय है, जो कि बुद्ध का क्षेत्र है।

बुद्ध का हमें आश्वासन है कि जो लोग धर्मदेशना सुनते हैं, उनमें से कोई भी बुद्ध बनने से विफल नहीं रह सकेगा। यहाँ धर्मदेशना से अर्थ पुण्डरीक सूत्र की धर्मदेशना से है, जो किसी के भी अन्तःकरण में बुद्ध बनने की आकांक्षा उत्पन्न कर सकता है, और उसे बुद्ध के समीप ला सकता है।

बुद्ध आदेश नहीं देते हैं कि हममें से जो यहाँ इस तट पर भ्रमित है, वह पहले मुक्त होने की इच्छा को त्याग दे। इसके बजाय, हमें बुद्ध उदारता में आनन्दित होने की धर्मदेशना के प्रभाव से अनजाने ही हमारी इच्छा मिट गयी है। यह हमें प्रेरित करता है कि अक्सर दूसरों से ईर्ष्या करने और सहज आलस्य में पड़े रहने की आदत से दूर हम जीने का सच्चा आनंद सीखकर स्वेच्छा से दृढ़ रहने की आदत बनना लें।

बौद्ध धर्मदेशना कोई ऐसी शिक्षा नहीं है जो हमें ऐसा या वैसा करने से विरत रहने कहती है। इसके बजाय, यह युक्ति से हमारा मार्गदर्शन करती है, ताकि हम खुशी-खुशी बुद्ध के समीप बिना किसी कठिनाई के पहुँच सकें।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 178-179

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



President's Message

अच्छे कर्म संबंध बनाना

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

सबसे बड़ा कर्म से बना संबंध क्या है?

हम हर दिन विभिन्न कर्मों से बने संबंधों के बीच जी रहे हैं। हम यह भी कह सकते हैं कि इन संबंधों का माध्यम ही हमारे जीने का कारण हैं। किसी अन्य व्यक्ति के साथ हर मुलाकात, किसी चीज से हर मुलाकात, और परिवार के किसी सदस्य के साथ हर बातचीत उस पल के संबंधों के कारण होती हैं।

हम आशा करते हैं कि उनमें से हर एक कर्म से बना संबंध हमेशा अच्छा रहेगा। हमें उम्मीद है कि वे सभी खुश होंगे।

हालाँकि, यह जीवन का एक तथ्य है कि चीजें हमेशा हमारी इच्छा के अनुसार नहीं होती हैं। विशेष रूप से जब अन्य लोगों के साथ हमारे संबंधों की बात आती है, जैसे ही कुछ अप्रिय या नुकसानदेह होता है, हमें तब यह नहीं लगता कि यह संबंध एक अच्छे कर्म से बना संबंध है।

कुरोजुमी मुनेतादा (1780-1850), शिंतो से जुड़े एक जापानी नए धर्म कुरोजुमिक्यो के संस्थापक ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, “यदि आप अच्छी और बुरी दोनों चीजों को ब्रह्मांड की इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप में सोचते हैं, तो आप कभी भी पीड़ित नहीं होंगे।” “यदि आप हर चीज के लिए आभारी होने में विश्वास करते हैं, तो आप आभारी होंगे चाहे चीजें कैसी भी हों।” दूसरे शब्दों में, इस संसार के सभी कार्यों में पूरी तरह से देवताओं और बुद्धों की व्यवस्था है - इसलिए आप जो कर्म संबंध बनाते हैं, उनमें से कोई भी अच्छा या बुरा नहीं है और जब तक आपका दृष्टिकोण आत्म-केंद्रित नहीं है, तब तक आप देखेंगे कि कुछ भी और सब कुछ में एक आवश्यक संबंध है, जिसके लिए आपको आभारी होना चाहिए।

इसलिए मुझे लगता है कि यदि हम इन सभी संबंधों के माध्यम से सत्य को सीखने और स्वीकार करने में सक्षम हैं, तो यही अच्छे कर्मों से बने संबंधों को बनाने का मूल अर्थ है।

बौद्धों के लिए बुद्ध की देशना को प्रसारित करना ही अच्छे कर्म संबंध। इसलिए रिश्शो कोसेइ-काइ के सदस्यों के रूप में, हम पहले से ही संघ के माध्यम से जुड़े हुए हैं और सबसे अच्छे कर्म संबंधों से जुड़े लोगों को खुश कहा जा सकता है।

आपका मानसिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है

अच्छा, फिर, हम अच्छे कर्म से बने संबंध क्यों चाहते हैं?

बहुत से लोग अस्पष्ट उत्तर दे सकते हैं कि अच्छे संबंध उन्हें खुश करते हैं, लेकिन बुद्ध की देशनाओं के दृष्टिकोण से कहें तो, हम सभी इस संसार में पैदा हुए हैं, क्योंकि हम स्वयं बुद्ध स्वभाव के हैं। अच्छे संबंध चाहने का यही कारण है। हमारा मन हमेशा एक ऐसी अवस्था की तलाश में रहता है जिसमें सब कुछ शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण हो।

हम जैसे लोगों के लिए लोगों और स्थितियों के साथ सामना होना हमेशा अच्छे संबंध बनाने की कुंजी है - जबकि कभी भी अनजाने में निकल जाने वाले स्वार्थी आवेगों के आगे नहीं झुकना एक दृष्टिकोण है, जो उन संबंधों में से प्रत्येक हमें क्या सिखाता है और उसे प्रतिबिंबित करना है, जो हमने उन अच्छे संबंधों से अनुभव किया है। बुद्ध धर्मदेशनाओं की व्याख्या करते हैं और सत्य को कई अलग-अलग रूपों में हमारे सामने प्रकट करते हैं, इसलिए जब आप लोगों और घटनाओं के साथ अपने मुठभेड़ों में उनकी देशना को देखते हैं, तो उन सभी से अच्छे संबंध बन जाते हैं।

पुण्डरीक सूत्र का परिवर्त- 27. शुभव्यूहराजपूर्वयोग, दो पुत्रों की कहानी बताता है, जो अपने माता-पिता को बुद्ध की धर्मदेशनाओं की ओर प्रवृत्त कराते हैं। इस परिवर्त में वर्णन किया गया है कि कैसे पिता, राजा समन्तभद्र अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और राजशी वैभव छोड़ने की चिंताओं से मुक्त होकर, अपने पुत्रों के सुझावों को खुले मन से सुना और विनम्रता के साथ बुद्ध मार्ग के उत्साही अभ्यासी बन गए।

संस्थापक निवानो ने हमें दिखाया कि अच्छे कर्म संबंध बनाने के लिए हमें अन्य लोगों का सम्मान करने की पहले पहल करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि आप अपनी क्षुद्र अहंकार को छोड़ देते हैं, जो आपको बड़ा दिखाने की कोशिश करता है, तो लोगों के साथ आपकी बातचीत से अच्छे संबंध बनेंगे। मन के परिवर्तन से एक अच्छे संबंध का विकास होता है, जिससे बच्चा जीवन में माता-पिता का शिक्षक भी बन सकता है। मेरा कान इस मान्यता से जलता है, जब मैं किसी को यह कहते हुए सुनता हूँ कि मैं एक जिद्दी बूढ़ा आदमी हूँ और लचीला होने और अपने बच्चों के सुझावों को मानने में असमर्थ हूँ। बेशक, हम सभी अपने परिवारों के भीतर स्वार्थी व्यवहार करने के लिए उपयुक्त हैं, इसलिए हमें मानसिक दृष्टिकोण के महत्व के बारे में स्वयं को सचेत रखना है, जो एक दिन से अगले दिन तक हमारे अच्छे संबंधों को बनाए रखता है।

सह-संस्थापक म्योको नागानुमा, जिनका वार्षिक स्मृति दिवस हम 10 सितंबर को मनाएँगे, ने कहा है कि "यदि आप किसी चीज़ पर एक साथ काम करते समय वास्तव में अन्य लोगों की भावनाओं को समझने की कोशिश करते हैं, तो आप सभी के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम होंगे।" वे हमेशा अन्य लोगों के प्रति सद्भावनापूर्ण विचार दिखाने में सुसंगत थी। जैसाकि उन्होंने हमें बताया है, "दूसरों को पीड़ा से मुक्त करने में, सच्ची निष्ठा सबसे प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण है।" वे अपने करुणामय प्रदर्शन के स्तर पर खरी उतरी। मुझे लगता है कि उन्होंने कई बीमारियों की पीड़ा का व्यक्तिगत अनुभवों से और गरीबी में जीने की उदासी से सीखा है कि सच्ची निष्ठा के माध्यम से अच्छे संबंध बनते हैं।

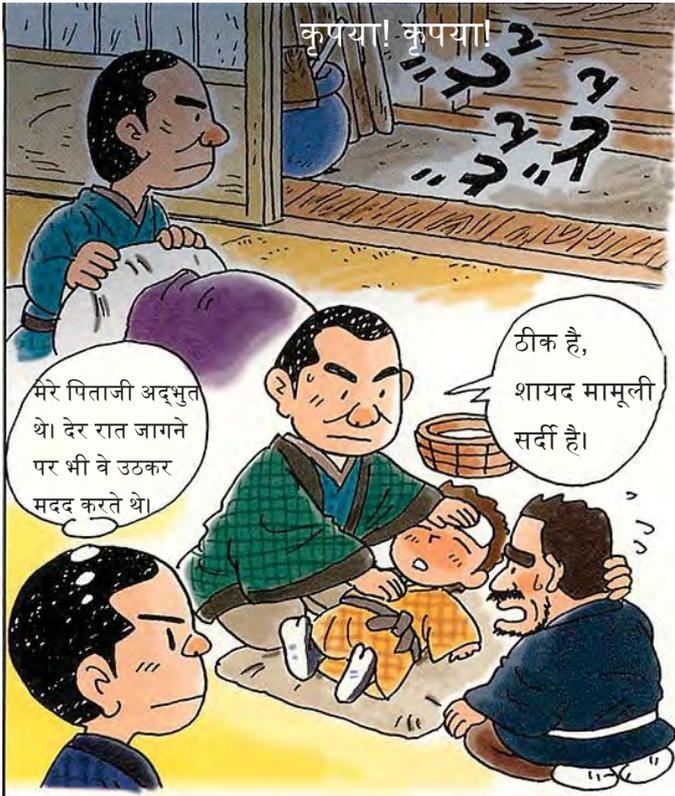
कहा जाता है कि यह सोचकर हमें अपने आस-पास के पीड़ित लोगों की मांगों को कैसे पूरा करना चाहिए? क्या ऐसा हो सकता है कि हम कुछ महत्वपूर्ण कर्म संबंधों की अनदेखी कर रहे हैं?

From Kosei, September 2021.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

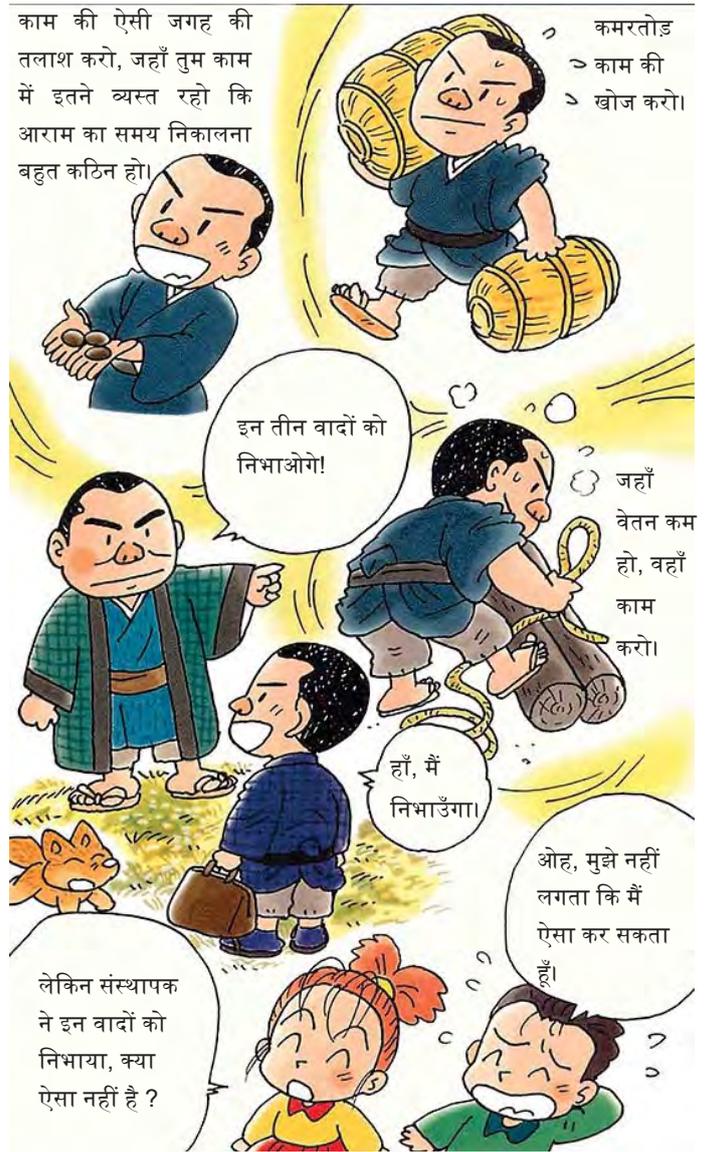
पिता की शिक्षा



संस्थापक के पिता जुकुची कुछ शब्दों के व्यक्ति थे। वे दृढनिश्चयी और चुपचाप अपनी खेती में लगे रहते थे। संस्थापक के दादा की तरह ही वे बीमार लोगों को प्राथमिक उपचार देते थे, क्योंकि वे किसी व्यक्ति को मुसीबत में अकेला नहीं छोड़ सकते थे।

जब संस्थापक टोक्यो में काम करने के लिए अपने गृहनगर छोड़ने वाले थे, तो उनके पिता ने विदाई के शब्दों में ऐसा कहा: "ऐसे काम की जगह की तलाश करोगे जहाँ वेतन कम हो, घंटे लंबे हों, और काम कठिन हो।"

संस्थापक ने बाद में उन शब्दों को याद किया, जिसने उनके बाद के जीवन की आधारशिला रखी।



क्या तुम्हें पता था?

जुकुची ने तेईस वर्ष की आयु में टोक्यो में भी काम किया था। वहाँ अपने प्रवास के दौरान उन्होंने देश के बहुत से युवा ीलों को प्रलोभनों के कारण भटकते हुए देखा था। इसलिए, जुकुची ने संस्थापक को ऐसी सख्त सलाह दी, ताकि वे व्यर्थ की जीवनशैली में नहीं गिर पड़ें।

माँ की शिक्षा



संस्थापक की माँ मिड बड़ी मेहनती थीं। वे इतनी देर रात तक काम करती रहती थीं कि वह सोच में पड़ जाते कि कब माँ बिस्तर पर गई।

उनके जिम्मे कई तरह के काम थे: खेती के काम में सहयोग करना, खाना बनाना, साफ-सफाई करना और कपड़े धोना, और कपड़ों की मरम्मत करना। इसके अलावे, उनके पास रेशम के कीड़ों को पालने और बुनाई का काम था। इसलिए उसके पास आराम करने का समय ही नहीं था। फिर भी, वह हमेशा मुस्कुराती रहती थी और अपने बच्चों का प्यार से पालन-पोषण करती थी।

संस्थापक ने अपनी जीवनी, "जीवन के आरंभ में" में उल्लेख किया है कि उनकी माँ, उनके लिए मातृ करुणा के बोधिसत्व, हिबो कन्नन की अवतार थीं।



☀ क्या तुम्हें पता था?

1923 के भयंकर कांतो भूकंप के बाद टोक्यो से लौटकर जब संस्थापक सुगानुमा में वापस आ गए, उनकी माँ का तैंतालीस वर्ष की आयु में निधन हो गया। संस्थापक ने अपनी जीवनी में लिखा है कि "आज भी जब मैं सोचता हूँ कि जिस तरह से उन्होंने अपने पूरे जीवन में सच्चे आनंद का अर्थ जाने बिना काम किया, तो मैं अपने आँसूओं नहीं रोक सकता हूँ।"

Director's Column

बुद्ध के संदेश को पकड़ना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

रिश्शो कोसेइ काइ के सदस्य भाग्यशाली हैं, क्योंकि हमें इस संसार में मानव प्राणी के रूप में जीवन मिला है और हम पुण्डरीक सूत्र की गवेषणा में सक्षम हैं, जिसका सामना होना कठिन है। हमारे कर्मों के प्रतिफल से हमें संस्थापक निक्क्यो निवानो और सह-संस्थापक म्योको नागानुमा का संबंध मिला, जिन्होंने हमें हमेशा सच्चे धर्म में दिशानिर्देश किया है।

इस महीने के लिए प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो का संदेश, “अच्छे कर्म संबंध बनाना”, संस्थापक की हार्दिक इच्छा को दर्शाता है। हम सभी उस धर्मदेशना का अधिकतम लाभ उठाएँ, जिसका हमें सौभाग्य से सामना हुआ है, और हम खुश हैं।

प्रेसिडेण्ट निवानो बताते हैं कि हम सभी इस संसार में पैदा हुए हैं, क्योंकि हमारी स्वयं बुद्ध प्रकृति हैं और इसलिए अच्छे कर्म संबंध बनाना चाहते हैं, और हमारा मन हमेशा एक ऐसी स्थिति की आस में रहता है, जिसमें सब कुछ शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण हो। हालाँकि, हमें विश्वास नहीं है कि हम अपने दैनिक जीवन में होने वाले सभी कर्म संबंधों का पूरा उपयोग करते हैं या नहीं।

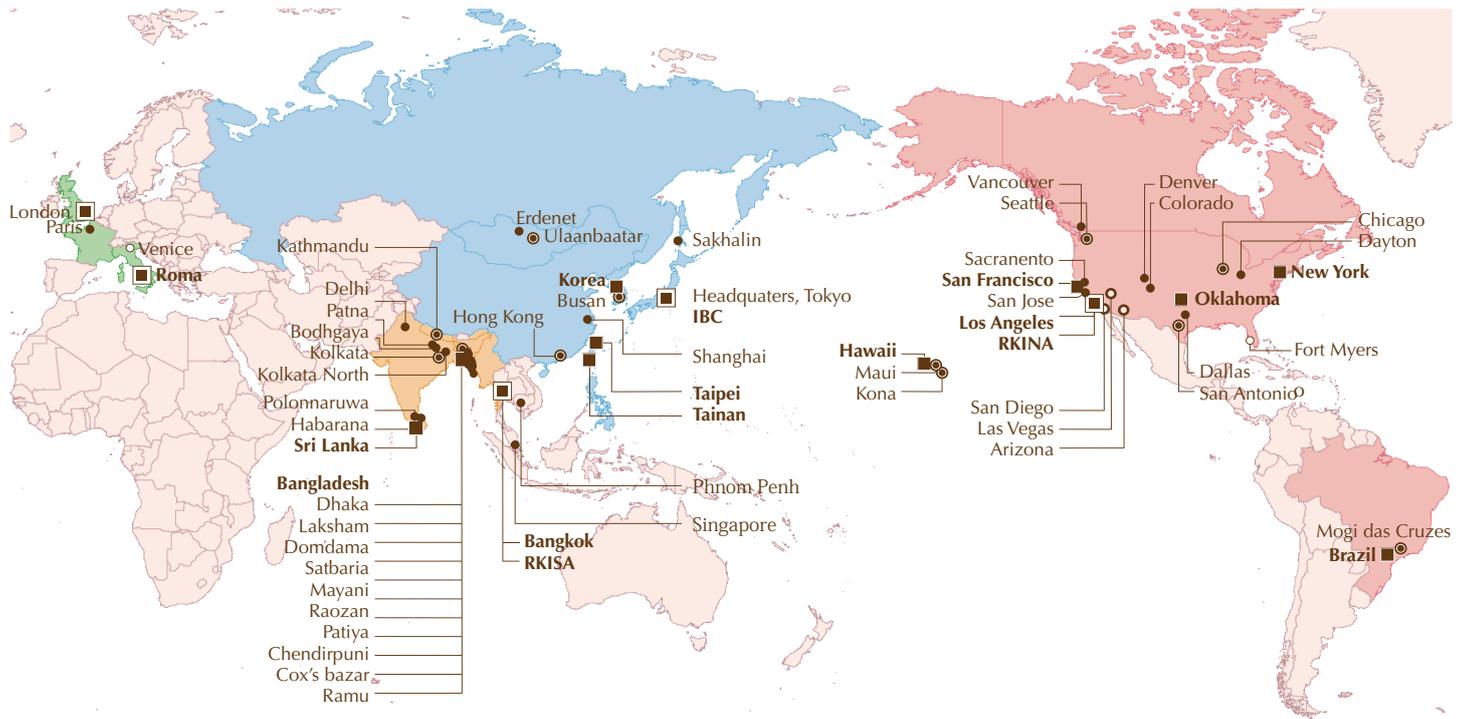
प्रेसिडेण्ट हमें सिखाते हैं कि लोगों और घटनाओं के साथ हमारी मुठभेड़ों में बुद्ध की उपस्थिति को “पकड़ना” (ध्यान देना) सभी कर्मफलों का अधिकतम लाभ उठाने की कुंजी है, जो हमें संस्थापक के शब्दों के महत्व की भी याद दिलाती है: “हमें अन्य लोगों के सम्मान में पहले पहल करना चाहिए” और “हमें उस छोटे अहंकार को त्यागना चाहिए जो हमें बड़ा दिखने की कोशिश करता है।”

10 सितंबर को हम रिश्शो कोसेइ काइ के सह-संस्थापक नागानुमा का वार्षिक स्मारक दिवस मनाते हैं। आइए हम उनका अनुकरण करें, जिन्होंने जीवन भर करुणा का अभ्यास किया और बुद्ध के संदेशों को दैनिक मुलाकातों में शामिल करने का प्रयास किया।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rky39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Risho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>